

बातचीत करते समय व्यक्ति किसी शब्द या वाक्यांश पर बल देता है, या कुछ रुकता है। वाक्य बोलने में उसके स्वर में उतार-चढ़ाव आता है, तभी उसकी प्रस्तुति सहज ग्राह्य बनती है। लिखित भाषा में स्थान-विशेष पर रुकने अथवा उतार-चढ़ाव आदि दिखाने के लिए विभिन्न प्रकार के चिह्नों का सहारा लेना पड़ता है। ये चिह्न विराम-चिह्न कहलाते हैं। उदाहरण के लिए-

1. राम शिमला जाएगा। (सामान्य सूचना कथन)
2. राम शिमला जाएगा। (प्रश्न के रूप में)
3. राम शिमला जाएगा। (आश्चर्य भाव के साथ)

उपर्युक्त उदाहरणों में ।, ?, ! ये संकेत (चिह्न) ही वाक्य के अर्थ में अंतर दे रहे हैं, जब कि तीनों वाक्य रूप और संरचना की दृष्टि से एक ही हैं। मौखिक या बोलचाल की भाषा की ऐसी अनेक युक्तियाँ हैं (जैसे- कहीं रुकना, कहीं बल देना, कही भिन्न-भिन्न अनुतान के साथ बोलना आदि) जिनका प्रयोग प्रायः हर भाषा-भाषी बोलचाल के समय करते हैं। लिखित भाषा में इन्हीं मौखिक युक्तियों के लिए विराम-चिह्न बना लिए गए हैं। हिंदी में निम्नलिखित विराम-चिह्नों का प्रचलन है-

- | | | | |
|---------------|-----|-----------------|---------|
| 1. पूर्णविराम | [।] | 7. निदेशक | [—] |
| 2. अर्थ विराम | [;] | 8. उद्धरण चिह्न | [" "] |
| 3. अल्पविराम | [,] | 9. विवरण चिह्न | [:] |
| 4. प्रश्नसूचक | [?] | 10. त्रुटिपूरक | [^] |
| 5. विस्मयसूचक | [!] | 11. कोष्ठक | [()] |
| 6. योजक चिह्न | [-] | 12. संक्षेपसूचक | [.] |

1. **पूर्णविराम [।]** - सामान्यतः बोलते समय एक वाक्य की समाप्ति पर थोड़ा-सा रुका जाता है, फिर दूसरा वाक्या प्रारंभ किया जाता है। इसी तरह लिखते समय प्रत्येक वाक्य के अंत में पूर्णविराम का चिह्न लगाया जाता है। वाक्य चाहे सरल हो या संयुक्त या मिश्र, यदि सामान्य कथनवाला वाक्य है तो पूर्णविराम का प्रयोग होगा; जैसे-

यहाँ आइए।

राधा पढ़ती है।

राम और श्याम पढ़ रहे हैं।

परंपरागत छंदों में प्रत्येक पाद के अंत में पूर्णविराम का चिह्न और पूरे छंद के अंत में दो पूर्णविराम चिह्न (॥) लगाए जाते हैं; जैसे-

बड़े बड़ाई न करें, बड़े न बोलें बोल।

रहिमन हीरा कब कहे, लाख टका मेरो मोल॥

2. **अर्धविराम [:]** - पूर्णविराम से कम देर तक रुकने पर अर्धविराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है। अर्धविराम का प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है।

(क) वाक्य में उदाहरणसूचक 'जैसे' शब्द के पहले-

स्त्रियों के नाम के साथ बहुधा 'देवी' शब्द आता है: जैसे-सरला देवी।

(ख) दो-तीन वर्गों के बीच में; जैसे-

संज्ञा-व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक, सर्वनाम

(ग) मिश्र और संयुक्त वाक्य में विपरीत अर्थ प्रकट करने वाले उपवाक्यों के बीच जैसे-काम करते रहना ही जीवन है, आलस्य तो रोग है।

3. **अल्प विराम [,]** - अल्पविराम का प्रयोग वाक्य के मध्य में होता है। इसका प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है-

(क) वाक्य में दो या दो से अधिक समान पदों या पदबंधों में अलगाव दिखाने के लिए; जैसे-

वहाँ बच्चे, बूढ़े, स्त्री, पुरुष सभी आए।

शराब पीना, चोरी करना, झूठ बोलना और न जाने कितनी बुराइयाँ उसमें थीं।

(ख) हाँ या नहीं के बाद: जैसे-

हाँ, चला जाऊँगा।

नहीं, मैं नहीं कर सकता।

(ग) किसी वाक्यांश को अलग करने के लिए, जैसे-

वह किताब, जो मैंने खरीदी, फट गई।

(घ) उपाधियों, महीने की तारीख को अलग करने के लिए: जैसे-

बी.ए. बी. एड, 26 जनवरी, 1950

4. **प्रश्नसूचक [?]** - प्रश्नसूचक विराम-चिह्न का प्रयोग निम्नलिखित स्थानों पर होता है-

(क) प्रश्नवाचक वाक्य के अंत में: जैसे-

तुम्हारा नाम क्या है ?

(ख) संदेह या अनिश्चय के भाव को पैदा करने के लिए संदेहस्थल पर कोष्ठक में: जैसे-
क्या कहा, वह निष्ठावान (?) है।

(ग) व्यंग्यात्मक भाव प्रकट करने के लिए अंत में कोष्ठक में; जैसे-
उनके जैसा धर्मात्मा पैदा ही नहीं हुआ (?)

ध्यान दीजिए सब जगह प्रश्नवाचक शब्द प्रश्न पूछने के लिए नहीं होते। ऐसी स्थिति में प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग नहीं किया जाता; जैसे-
क्या करते हो, बैठ जाओ।

5. **विस्मयसूचक [!]** - विस्मयसूचक विराम-चिह्न का प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है-

(क) विस्मयादिबोधक पदों अथवा वाक्य के अंत में; जैसे-
अहा मिठाई लाया है!
तुम तो अजीब आदमी हो!

(ख) प्रश्नवाचक वाक्य के अंत में मनोवेग प्रदर्शन करने के लिए; जैसे-
बोलते क्यों नहीं, क्या गूँगे हो।

(ग) संबोधन के लिए: जैसे-
भाइयों और बहनो शांति से बैठो।

6. **योजक या विभाजक (हार्डफन) [-]** - योगक चिह्न का प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है-

(क) द्वंद्व और तत्पुरुष समास के दोनों पदों के बीच; जैसे-
माता-पिता, प्रयोग-स्थल

(ख) तुलनात्मक सा, सी, से के पहले; जैसे-
लक्ष्मण-सा भाई।

(ग) शब्दों के द्वित्व अथवा शब्द-युग्म रूपों में: जैसे-
कभी-कभी, धीरे-धीरे, लड़ाई-झगड़ा।

7. **निर्देशक चिह्न [-]** - निर्देशक चिह्न योजक चिह्न से थोड़ा बड़ा बोता है और निम्नलिखित स्थितियों में प्रयोग किया जाता है-

(क) किसी वाक्य को उद्धृत करने से पूर्व; जैसे-
अध्यापक- भारत के वर्तमान राष्ट्रपति कौन हैं ?

(ख) 'कहना, लिखना, बोलना, बताना' आदि क्रियाओं और 'निम्नलिखित' जैसे पदों के बाद-

कमला ने कहा- मैं कल चली जाऊँगी।

उनके नाम निम्नलिखित हैं- सीता, कमला, राधा।

(ग) किसी शब्द या वाक्यांश की व्याख्या करने के लिए; जैसे-

परिश्रम से सब कुछ मिल सकता है- सुख, संपत्ति, यश और प्रतिष्ठा।

8. **अवतरण या उद्धरण चिह्न** [“ ”], [‘ ’] - इसका प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है-

(क) किसी व्यक्ति के कथन या उद्धरण के लिए; जैसे-

तिलक ने कहा “स्वराज्य हमारा जन्म-सिद्ध अधिकार है, इसे हम लेकर ही रहेंगे।”

(ख) किसी व्यक्ति के उपनाम, पुस्तक के नाम को इकहरे उद्धरण चिह्न की सहायता से लिखा जाता है; जैसे-

‘प्रसाद’ छायावाद के प्रवर्तक थे।

‘कामायनी’ महाकाव्य है।

9. **विवरण चिह्न** [:]- विवरण चिह्न वाक्यांश के निर्देश आदि के लिए होता है; जैसे- निम्नलिखित उदाहरणों को देखिए:

10. **त्रटिपूरक या हंसपद** [^] - लिखते समय जब कोई शब्द या अंश छूट जाए तो उसके स्थान पर इसका प्रयोग किया जाता है और उसके ऊपर छूटा हुआ शब्द लिख दिया जाता है; जैसे- गाड़ी

मैं आज ^ से अजमेर नहीं जाऊँगा।

11. **कोष्ठक** [()] - कोष्ठक के भीतर मुख्यतः उस सामग्री को रखा जाता है, जो मुख्य बात के अंग होते हुए भी अलग की जा सकती है; जैसे-

(क) संज्ञा के तीन भेदों (जातिवाचक, व्यक्तिवाचक, भाववाचक) का विवेचन किया जा रहा है।

(ख) क्रमसूचक अंगों या अक्षरों के साथ; जैसे-

(1), (2), (3), (4), (क), (ख), (ग), (घ)

सक्षेपसूचक [o] किसी बड़े नाम, पर आदि का संक्षिप्त रूप लिखने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे- डॉक्टर- डॉ० मास्टर-मा०

प्रश्न-अभ्यास

1. भाषा में विराम-चिह्नों का प्रयोग क्यों किया जाता है ?
2. हिंदी में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख विराम-चिह्न कौन-कौन से हैं ?
3. पूर्णविराम और अर्धविराम में क्या अंतर है ? उदाहरण देखर समझाइए।
4. प्रश्नसूचक और विस्मयसूचक के दो-दो उदाहरण दीजिए।
5. अल्पविराम का प्रयोग किन-किन स्थितियों में होता है ? सोदहारण समझाइए।
6. निम्नलिखित वाक्यों में यथास्थान उपयुक्त विराम-चिह्न लगाइए-
 - (i) साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता वह अपनी ही किताब पढ़ता है
 - (ii) क्या साल भर यहाँ वर्षा होती रहती है
 - (iii) संगमा हँसते हुए कहते हैं पंत साहब यह चिरापूँजी है
 - (iv) ज्यों ज्यों चुनाव पास आता भेड़ियों का दिल बैठ जाता
 - (v) चल रे चल अपना पंचलैट आया है पंचलैट
 - (vi) यह शक्ति कल्याणकारी है या अकल्याणकारी
 - (vii) कैसे कहूँ कि बनारस के बनारसी रंग का नहीं हूँ
 - (viii) ईश्वर जीवन है सत्य है और प्रकाश है वही प्रेम है वही परम मंगल है

